

This question paper contains 1 printed page.

December, 2021

Roll No.	:	
Unique Paper Code	:	121302309 / I-303
Name of the Paper	:	सूर्यसिद्धान्त एवं वेदाङ्गज्योतिष Suryasiddhanta & Vedanga Jyotisha
Name of the Course	:	M.A. (Sanskrit), EC
Scheme	:	LOCF/Old Course
Semester	:	III
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	70

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 3 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके एकल पीडीएफ बनाकर प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.
 3. The **4 questions** to be completed in 3 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and make single pdf the uploaded on specific portal.
1. भगण को पारिभाषित करते हुए महायुगीन ग्रह भगण मान को स्पष्ट कीजिए।
Discuss 'Mahayugeen Graha Bhagana Maan' by defining Bhagana.
 2. कल्प कालमान को विस्तारपूर्वक समझाइए।
Explain in detail 'Kalpa Kaalmaan'.
 3. सुरासुर दिन-रात्रि व्यवस्था और दिव्य वर्षप्रमाण को स्पष्ट कीजिए।
Discuss 'Surasura Dina-Ratri Vyavastha' and Divya Varsha Pramaana.
 4. वेदाङ्ग-ज्योतिष के आधार पर ज्योतिष की महत्ता को स्पष्ट कीजिए।
Describe the importance of Jyotish-Shastra on the basis of Vedanga-Jyotisha.
 5. वेदाङ्ग-ज्योतिष में वर्णित 'अयन-विचार और पक्ष-विचार' पर प्रकाश डालिए।
Throw light on 'Ayana-Vichara and Paksha-Vichar' as described in Vedanga-Jyotisha.
 6. वेदाङ्ग-ज्योतिष में वर्णित पञ्चवर्षात्मक युग गणना का विवेचन कीजिए।
Explain 'Panchvarshatmak Yuga' as described in Vedanga-Jyotisha.